

देनेवाला, छलिया 3. कृत्रिम, बनावटी 4. प्रधान, श्रेष्ठ 5. निश्चल 6. धर्मभ्रष्ट 7. जिसका अर्थ सरलता से स्पष्ट न हो, पहली।

कूटकर्म पुं. (तत्.) 1. छल, कपट, धोखा 2. (कौटिल्य के अनुसार) जूआ खेलते समय बेईमानी करना या हाथ की सफाई से पासे उलटना।

कूटकर्मा वि. (तत्.) छली, कपटी।

कूटकार पुं. (तत्.) 1. दुष्ट या धोखा देने वाला व्यक्ति 2. झूठा गवाह।

कूटकोष्ठ पुं. (तत्.) मकान का सबसे ऊपरी भाग 2. कूटशाला।

कूटतुला स्त्री. (तत्.) वह तराजू जिसमें पसंगा हो या जिसकी डंडी में कुछ फेर फार हो, डाँडीचोर तराजू।

कूटना स.क्रि. (तत्.) 1. किसी चीज को नीचे रखकर ऊपर से लगातार बलपूर्वक आघात पहुँचाना, जैसे धान कूटना, सड़क कूटना, छत कूटना, छाती कूटना मुहा. कूटकूटकर भरना- ठूस-ठूस कर भरना, कस-कस कर भरना, ठसाठस भरना जैसे- उनमें कूट-कूट कर करुणा भरी है; 2. मारना, पीटना, ठोकना 3. सिल, चक्की आदि में टांकी से छोटे-छोटे गड्ढे करना या दाँत निकालना 4. बैल या भैंसे का अंडकोष कूटकर उसे बधिया बनाना।

कूटनीति स्त्री. (तत्.) दाँव पेंच की नीति या चाल, वह चाल या नीति जिसका रहस्य कठिनता से खुले।

कूटपाठ पुं. (तत्.) संगीत में मृदंग के चार वर्णों में से एक वर्ण।

कूटपालक पुं. (तत्.) 1. कुम्हार 2. कुम्हार का आँवा।

कूटपाश पुं. (तत्.) पक्षियों को फँसाने का जाल, फंदा।

कूटप्रश्न पुं. (तत्.) पहली, बुझाविल, प्रहेलिका।

कूटमान पुं. (तत्.) 1. वह पैमाना जो ठीक मान से बड़ा या छोटा हो 2. वह बाट जो ठीक तौल से हलका या भारी हो।

कूटमुद्रा स्त्री. (तत्.) कौटिल्य के मत से जाली मुहर या परवाना।

कूटयंत्र पुं. (तत्.) पशुओं या पक्षियों को फँसाने का जाल।

कूटयुद्ध पुं. (तत्.) वह लड़ाई जिसमें शत्रु को धोखा दिया जाता है, धोखे की लड़ाई।

कूटरचना स्त्री. (तत्.) 1. जाल, फंदा 2. कुटनियों का माया जाल।

कूटरूप पुं. (तत्.) (कौटिल्य के अनुसार) जाली रुपया या सिक्का।

कूटलिपि स्त्री. (तत्.) 1. झूठा या जाली दस्तावेज 2. ऐसी गूढ़ लिखावट जो समझ में न आए।

कूटलेख पुं. (तत्.) झूठा या जाली दस्तावेज।

कूटस्वर्ण पुं. (तत्.) 1. खोटा सोना, बनावटी सोना।

कूटायुध पुं. (तत्.) छिपाकर रख गया हथियार।

कूटार्थ पुं. (तत्.) वह छिपा अर्थ जिसे बौद्धिक प्रयत्न से समझा जा सके।

कूड़ा पुं. (देश.) 1. जमीन पर पड़ी हुई गर्द, खर पत्ते आदि जिन्हें साफ करने के लिए झाड़ू दिया जाता है।

कूड़ाकरकट पुं. (देश.) व्यर्थ और निकम्मी चीज, बेकाम चीज।

कूड़ाखाना पुं. (देश.+फ़ा.) वह स्थान जहाँ कूड़ा फेंका जाता है, कबाड़ खाना।

कूढ़ वि. (देश.) नासमझ, अज्ञानी, बेवकूफ।

कूढ़ पुं. (देश.) 1. हल का वह भाग जिसके एक सिरे पर मुठिया और दूसरे सिरे पर खोपी होती